Haryana Government Gazette

Published by Authority

© Government of Haryana

No. 43–2024] CHANDIGARH, TUESDAY, OCTOBER 22, 2024 (ASVINA 30, 1946 SAKA)

PART-I

Notifications, Orders and Declarations by Haryana Government

हरियाणा सरकार

विरासत तथा पर्यटन विभाग

अधिसूचना

दिनांक 16 अक्तूबर, 2024

संख्या 12/250–अतिथि गृह भाई उदय सिंह–2024/पुरा/3530–36.— चूंकि, हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि नीचे दी गई अनुसूची के खाना 1 में विनिर्दिष्ट पुरातत्वीय स्थलों और अवशेषों तथा प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारकों का हरियाणाा प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल तथा अवशेष अधिनियम, 1964 (1964 का पंजाब अधिनियम 20) के अधीन संरक्षण अपेक्षित है;

इसलिए, अब, हरियाणा प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल तथा अवशेष अधिनियम, 1964 (1964 का पंजाब अधिनियम 20) की धारा 4 की उपधारा (1) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल, इसके द्वारा, नीचे दी गई अनुसूची के खाना 1 में विनिर्दिष्ट प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारकों को संरक्षित संस्मारक के रूप में तथा उक्त अनुसूची के खाना 2, 3, 4, 5, 6 तथा 7 में विनिर्दिष्ट पुरातत्वीय स्थलों और अवशेषों को संरक्षित क्षेत्र के रूप में घोषित करने का प्रस्ताव करते हैं।

इसके द्वारा, नोटिस दिया जाता है कि इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तिथि से दो मास की अवधि की समाप्ति या उसके पश्चात् सरकार, ऐसे आक्षेपों या सुझावों, यदि कोई हों, के साथ जो प्रधान सचिव, हरियाणा सरकार, विरासत तथा पर्यटन विभाग, चण्डीगढ़ द्वारा प्रस्ताव के सम्बन्ध में किसी व्यक्ति से इस प्रकार विनिर्दिष्ट अवधि की समाप्ति से पूर्व प्राप्त किए जाए, पर विचार करेगी।

अनुसूची

प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक का नाम	पुरातत्वीय स्थलों तथा अवशेष का नाम	गांव/शहर का नाम	तहसील/जिला का नाम	संरक्षणाधीन राजस्व खसरा/किला संख्या	संरक्षित किया जाने वाला क्षेत्र कनाल–मरला	स्वामित्व	विशेष कथन
1	2	3	4	5	6	7	8
अतिथि गृह, भाई उदय सिंह, पिहोवा, 19वीं शताब्दी	अतिथि गृह, भाई उदय सिंह, पिहोवा, 19वीं शताब्दी	पिहोवा	कुरूक्षेत्र	1351/1289	81–7	हरियाणा सरकार	भाई उदय सिंह 19वीं सदी की शुरुआत में पेहोवा नगर पर शासन कर रहे थे। पेहोवा में स्थित भाई उदय सिंह का अतिथि गृह, इंडो–सरसेनिक वास्तुशैली का एक उत्कृष्ट नमूना है। भाई उदय सिंह की मृत्यु हो जाने के कारण इस भवन का निर्माण अधूरा रह गया था। वर्तमान में यह इमारत लोक निर्माण विभाग अतिथि गृह के रूप में विभाग के उच्च अधिकारियों के ठहरने के लिए इस्तेमाल में है। शुरू में इसे ब्रिटिश सेना के अधिकारियों के लिए अतिथि गृह के रूप में इस्तेमाल किया गया था। यह दो मंजिला

प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक का नाम	पुरातत्वीय स्थलों तथा अवशेष का नाम	गांव/शहर का नाम	तहसील/जिला का नाम	संरक्षणाधीन राजस्व खसरा/किला संख्या	संरक्षित किया जाने वाला क्षेत्र कनाल–मरला	स्वामित्व	विशेष कथन
1	2	3	4	5	6	7	8
							इमारत है जिसमें भीतरी आंगन है। इसके छज्जे और झरोखे मुगल शैली से लिए गए है, वहीं स्तंभ और उनके दीवारगीर रोमन कुरिन्थियन भौली से प्रेरित है। इस इमारत के सामने एक भव्य द्विखंडित सीढ़ी है जो वृत्ताकार स्तंभावली से सुसज्जित बरामदे की ओर जाती है, जहां से लकड़ी की धरणिका और पत्थर की छत से निर्मित एक कमरे में प्रवेश होता है। कमरे में आगे 'तख्त' है, जहां उस युग के शिलालेख मौजूद है। वृत्ताकार बरामदे के क्षेत्र से एक पानी की टंकी सटी हुई है, जिसमें एक फव्वारा है जो गर्मी में चलने वाली लू से राहत प्रदान करने में सहायक था।

कला रामचंद्रन,
प्रधान सचिव, हरियाणा सरकार,
विरासत तथा पर्यटन विभाग।

HARYANA GOVERNMENT

HERITAGE AND TOURISM DEPARTMENT

Notification

The 16th October, 2024

No. 12/250-Guest House of Bhai Udai Singh-2024/Pura/3530-36.— Whereas the Governor of Haryana is of the opinion that archaeological sites and remains and ancient and historical monuments specified in column 1 of the Schedule given below requires protection under the Haryana Ancient and Historical Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1964 (Punjab Act 20 of 1964);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred under sub-section (1) of section 4 of the Haryana Ancient and Historical Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1964 (Punjab Act 20 of 1964) the Governor of Haryana hereby proposes to declare the ancient and historical monuments specified in column 1 of the Schedule given below, to be a protected archaeological sites and remains as specified in columns 2, 3, 4, 5, 6 and 7 of the said Schedule to be a protected area.

Notice is hereby given that the proposal shall be taken into consideration by the Government on or after the expiry of a period of two months from the date of publication of this notification in the Official Gazette, together with objections or suggestions, if any, which may be received by the Principal Secretary to Government, Haryana, Heritage and Tourism Department, Chandigarh from any person with respect to the proposal before the expiry of the period so specified: -

Name of ancient and historical monuments	Name of archaeological sites and remains	Name of village/ city	Name of tehsil / district.	Revenue Khasra/ Kila number under protection.	Area to be protected Kanal-Marla	Ownership	Remarks
1	2	3	4	5	6	7	8
Guest House of Bhai Udai Singh, Pehowa 19th Century CE	Guest House of Bhai Udai Singh, Pehowa 19th Century CE	Pehowa	Kurukshetra	1351/1289	81-7	Gram Panchayat	Bhai Udai Singh was ruling the town of Pehowa in the early 19th century. The Guest House of Bhai Udai Singh, located at Pehowa, is an architectural masterpiece in Indo-Saracenic architectural style. The building was left incomplete on his death. The building has been functioning as a PWD guest house used for department's higher official's stay. Initially it was used as a guest house for the officials of the British army. The building is of two-storey height and has internal courtyards, the "chajjas and Jharokhas" are the elements derived from

Name of ancient and historical monuments	Name of archaeological sites and remains	Name of village/ city	Name of tehsil / district.	Revenue Khasra/ Kila number under protection.	Area to be protected Kanal-Marla	Ownership	Remarks
1	2	3	4	5	6	7	8
							Mughal style whereas the column and their brackets inspired from Roman Corinthian order. The building has a grand bifurcated stairs in front which leads to the circular colonnade porch leading to the room with wood joist and stone roof. Further this leads to the "takht" which has written inscriptions of the era. Adjoining the circular porch area there is a water tank with a fountain to cool down the hot summer wind from outside.

KALA RAMACHANDRAN,
Principal Secretary to Government, Haryana,
Heritage and Tourism Department.

11322—C.S.—H.G.P., Pkl.